IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कोविड–19 का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

डॉ. गरिमा सिंह
सहा.प्राध्यापक अर्थशास्त्र
शास.आदर्श महाविद्यालय उमरिया (म.प्र.)

शोध सारांश (Abstract) : –

कोविड–19 एक वैश्विक महामारी है, जिसने संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया है। कोविड–19 की शुरुआत चीन के वुहान प्रांत से दिसंबर 2019 से शुरू हुई और यह धीरे–धीरे संपूर्ण विश्व में फैल गई। कोविड–19 ने विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्था के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को भी बुरी तरह से प्रभावित किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर लगातार गिर रही है। विकास दर गिरन से रोजगार भी बहुत तेजी से घटा है और जिन लोगों को रोजगार मिला भी है, उनकी सैलरी भी कुछ प्रतिशत कर करके मिल रही है। संगठित एवं असंगठित दोनों क्षेत्रों में रोजगार घटा है, रोजगार घटने से मांग में लगातार कमी आ रही है जिससे नया निवेश जहां एक ओर नहीं हो रहा, वहीं दूसरी ओर पुराना निवेश भी कम हो रहा है। निवेश कम होने से रोजगार चक्रिय क्रम से लगातार कम हो रहा है।

शब्दकुंजी (Keywords) : –

कोविड–19, भारतीय अर्थव्यवस्था, जीडीपी, प्रभावपूर्ण मांग, रोजगार, आयात, निर्यात

प्रस्तावना (Introduction) : –

कोरोनावायरस कई प्रकार के विषाणुओं का एक समूह है जो स्तनधारियों और पक्षियों में रोग उत्पन्न करता है। यह आरएनए वायरस होते हैं। इनके कारण मानवों में श्वसन तंत्र संक्रमण पदा हो सकता है जिसकी गहनता हल्की सर्दी–जुकाम से लेकर अति गंभीर जैसे मृत्यु तक हो सकती है। चीन के वुहान शहर से उत्पन्न होने वाला कोविड–19 तेजी से संपूर्ण विश्व में फैलता जा रहा है। दुनिया में अब तक कोरोना के 5 करोड़ मामले सामने

आए हैं जिसमें अकेले भारत में 50 लाख केस आए हैं। कोरोना ने विश्व के सभी देशों को झकझोर कर रख दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था भी कोविड–19 से बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारतीय अर्थव्यवस्था के पर्यटन उद्योग, परिवहन सेवा, मैन्युफैक्चरिंग उद्योग आदि बुरी तरह से प्रभावित हुए है। भारत में ही सबसे सख्त लॉकडाउन लंबे समय तक रहा है और इसका प्रभाव यह हुआ कि इससे उद्योगों में ताला लग गया जिससे एक बड़ा युवा वर्ग बेरोजगार हो गया। बेरोजगारी के कारण आय घटी, जिससे मांग में अचानक कमी आई और निवेश अचानक कम हो गया।

शोध के उद्देश्य **(Objectives of the research)** : –

1. कोविड–19 का जीडीपी पर प्रभाव का अध्ययन
2. कोविड–19 का रोजगार पर प्रभाव का अध्ययन

शोध प्रविधि **(Research Methodology)** : –

प्रस्तुत शोध द्वितीयक समंकों पर आधारित है। इस शोध में दिसंबर 2019 से अक्टूबर 2020 के मध्य कोविड–19 क भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव का अध्ययन किया गया है। द्वितीयक समंकों का संकलन सरकार की विभिन्न रिपोर्टों, पत्रिकाओं, शोध पत्रों, समाचार पत्रों आदि से किया गया है। समंकों के विश्लेषण के लिए प्रतिशत विधि का सहारा लेकर निष्कर्ष निकाले गए हैं।

कोविड–19 का जीडोपो पर प्रभाव **(Impact of Covid-19 on GDP)** : –

कोविड–19 की महामारी के बीच अप्रैल से जून पहली तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में –23.9 फीसदी की ऐतिहासिक गिरावट आई है। नोटबंदी एवं जीएसटी के कारण अर्थव्यवस्था की हालत पहले से ही संकटग्रस्त थी। लेकिन कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लगाया गया देशव्यापी लॉकडाउन और विनाशकारी साबित हुआ। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रियंका किशोर के अनुसार भारत की जीडीपी में अनुमान से कहीं ज्यादा गिरावट हुई है। इससे कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लगाए गए सरल लॉकडाउन की कीमत का अंदाजा लगाया जा सकता है। लॉकडाउन में रातों–रात कारोबार बंद कर दिए गए और इससे 14 करोड लोगों की नौकरी चली गई। वास्तव में भारत का लॉकडाउन सबसे सख्त था और इसकी बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ी। जीडीपी का डेटा इस भारी कीमत की पुस्टि करता है। अर्थव्यवस्था के मैन्युफैक्चरिंग, निर्माण, व्यापार, होटल, ट्रांसपोर्ट, संचार आदि सेक्टर देश की जीडीपी में करीब 45 प्रतिशत का योगदान रखते हैं और पहली तिमाही में

इन सभी सेक्टरों के कारोबार पर काफी बुरा असर पड़ा है। वित्तोय वर्ष 2019–20 की चौथी तिमाही (जनवरी–मार्च 2020) में जीडीपी ग्रोथ जहॉ 3.09 प्रतिशत थी जो भारी गिरावट के साथ पहली तिमाही (अप्रैल–जून 2020) में –23.9 प्रतिशत हो गई। जो कि पूरे विश्व में सबसे अधिक गिरावट है।

कोविड–19 से प्रभावित विश्व के प्रमुख देशों की जीडीपी (अप्रैल–जून 2020)

देश	जी.डी.पी. ग्रोथ (%)
भारत	-23.9
यू.के.	-21.7
जर्मनी	-11.3
जापान	-9.9
अमेरिका	-9.1
चीन	3.2

Source : Official GDP releases, CEIC

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि सिर्फ चीन की जीडीपी ग्रोथ 3.2 प्रतिशत है, इसके अलावा सभी विकसित देशों की जीडीपी ग्रोथ नकारात्मक रही है। भारत विश्व का मात्र एक ऐसा देश है जिसकी जीडीपी सबसे ऋणात्मक -23.9 प्रतिशत रही है। इसका प्रमुख कारण यह रहा है कि भारत में 08 नवम्बर 2016 में नोटबंदी हो गई, जिससे तरलता अर्थव्यवस्था में कम हो गई, परिणामस्वरूप मांग में कमी आ गई। जीएसटी से भी मांग कम हुई। अर्थव्यवस्था इन दोनों कारणों से उभर भी नहीं पाई थी कि कोविड–19 से हुए लॉकडाउन ने मांग एवं पूर्ति दोनों कारकों पर प्रभाव डाला। जहां एक ओर मांग ने विनियोग को प्रभावित किया, वहीं पूर्ति न होने से कई लोगों की नौकरियां चली गई।

कोविड–19 का रोजगार पर प्रभाव (Impact of Covid-19 on Employment) - अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) एवं एशियन विकास बैंक (ADB) की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार भारत में 41 लाख युवाओं की नौकरी कोविड–19 के कारण चली गई है। इसमें निर्माण एवं कृषि क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी सर्वाधिक प्रभावित हुए ह। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जयति घोष ने कहा है कि यह स्वतंत्रता के बाद भारत का सबसे बुरा दौर है। लोगों के पास पैसा नहीं है। निवेशक निवेश नहीं करेंगे अगर बाजार ही नहीं होगा। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार चुनिंदा सेक्टर्स में जाब्स की भारी कमी होने वाली है, जिसमें हास्पिटैलिटी, टूरिज्म, रियल एस्टेट, सिनेमा, रेस्तरां आदि शामिल हैं। होटल्स का 37 से 39 हजार करोड़ रूपये तक व्यापार है और टूरिज्म इंडस्ट्री का आकार करीब 18 लाख रूपए है। इन दोनों सेक्टर्स में कुल मिलाकर 40 मिलियन यानि 4 करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है। टूरिज्म सेक्टर में 12 लाख नौकरियॉ जाने का अनुमान है। अर्थव्यवस्था की धीमी गति की वजह से पहले ही रियल एस्टेट सेक्टर में 20 प्रतिशत नौकरियां जा चुकी हैं और अब कोरोना वायरस के कारण 35 प्रतिशत नौकरियॉ जाने का अनुमान है। कैब टैक्सी बिजनेस पर कोरोना का ज्यादा असर पड़ा ह। इस सेक्टर में 50 लाख लोग काम करते ह। मगर इस भयावह वायरस की वजह से कैब बुकिंग में 40 से 50 प्रतिशत की कमी आई है। सेक्टर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनामी (CMIE) क जारी आंकड़ों के अनुसार लॉकडाउन की वजह से कुल 12 करोड़ नौकरियां चली गई। करोना संकट से पहले भारत में कुल रोजगार आबादी की संख्या 40.4 करोड़ थी, जो इस संकट के बाद घटकर 28.5 करोड़ हो चुकी है।

निष्कर्ष (Results) :-

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि कोविड–19 न न केवल विश्व अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था का भी बुरी तरह से प्रभावित किया है। यही कारण रहा है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ –23.9 प्रतिशत रही है। इसका प्रमुख कारण यह रहा है कि जहां एक ओर नोटबंदी एवं जीएसटी ने मांग में कमी की, वहीं कोविड–19 ने इस समस्या को और विकराल बना दिया। भारतीय अर्थव्यवस्था में केवल कृषि क्षेत्र ही ऐसा क्षेत्र रहा है जिसने धनात्मक वृद्धि दर्ज किया है और अर्थव्यवस्था को काफी हद तक संभाला है। लेकिन अब धीरे–धीरे अर्थव्यवस्था सम्हलने लगी है। सरकारी पैकेज, कृषि उत्पादन में वृद्धि आदि ने अर्थव्यवस्था को गति प्रदान किया है। पहले जैसी स्थिति में पहुंचने में समय लग सकता है लेकिन शुरुआत हो चुकी है जो अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है।

संदर्भ (References) :-

1. Financial express, March 3, 2020
2. International Journal of Trade and commerce-11 ARTC August 2020
3. https://bfsi.eletson;one.com/covid-19 and its impact on indian economy
4. CEIC Report 2020
5. Economic Survey 2020